Spandan

Class - 5

5 हिंदी (स्पंदन)

1. भारत प्यारा

मौखिक

1. (क) कविता में भारत देश को प्यारा कहा गया है।
   (ख) सारी दुनिया को भारत ने ज्ञान दिया है।
2. छात्र स्वयं करें।
3. यह चित्र उत्तराखंड की धार्मिक नगरी हरिद्वार का है। गंगा नदी अविरल रूप से प्रवाहित है। हर की पैरी घाट में श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। नदी के ऊपर आने-जाने के लिए बना पुल स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहा है। चित्र में घाट पर बना टावर दिखाई दे रहा है।
4. छात्र स्वयं करें।
5. छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) गंगा, यमुना, (ख) सत्यनारायण लाल,
   (ग) हिंद महासागर
2. (क) रात में शशि (चंद्रमा) उजियारा करता है।
   (ख) ऋषि-मुनियों ने अपने देश भारत को न्यारा बनाने के लिए इसे सँवारा है।
3. (क) भारत भूमि ज्ञान, अध्यात्म, उदारता, परोपकार और त्याग की भूमि रही है। यही कारण है कि भारत भूमि मनुष्यों और देवों को प्रिय है और यहाँ जन्म लेने के लिए देवता भी लालायित रहते हैं।
   (ख) भारत ने सारी दुनिया को विश्वगुरु के रूप में ज्ञान दिया है। प्राचीनकाल में स्थापित तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, ओदंतपुरी विश्वविद्यालय में सारी दुनिया के छात्र पढ़ने आते थे। बौद्ध भिक्षुओं ने तिब्बत, चीन, भूटान, जापान, मंगोलिया, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम आदि देशों तक भारत का ज्ञान पहुँचाया।
   (ग) हारे हुए शत्रु को भारतीय राजाओं ने क्षमादान दिया है। भारत शांतिपूर्ण सह अस्तित्व में विश्वास रखता है। महान भारत ने साम्राज्य विस्तार की इच्छा से किसी देश के प्रति युद्ध की कभी घोषणा नहीं की है। पाकिस्तान को 1948, 1965, 1971 के युद्ध में पराजित करने के पश्चात भी भारत उससे एक अच्छा पड़ोसी होने के नाते मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है।
   (घ) भारत विश्व का एक महान देश है। इसे ऋषि-मुनियों ने अपने हाथों से सँवारा है। प्राचीन सभ्यता, संस्कृति, ज्ञान, अध्यात्म की भूमि होने के कारण मनुष्य ही नहीं देवता भी यहाँ जन्म लेना चाहते हैं। प्राचीन काल से ही भारत ने सारी दुनिया को ज्ञान का संदेश दिया है। भारत ने पूरी दुनिया को कुटुंब मानकर संपूर्ण मानवता के मंगल की कामना की है। भारत भूमि वीरगर्भा है। यहाँ एक से बढ़कर एक वीर हुए हैं। भारत कभी किसी से नहीं हारा है। पराजित दुश्मन को गले लगाने की भारतीय संस्कृति रही है। प्राणों से प्रिय भारत भूमि भारतवासियों की आँखों का तारा है।
4. दिया ज्ञान सारी दुनिया को,
   सबको दिया सहारा है।
   सबको करता प्यार, कभी भी
   नहीं किसी से हारा है।
5. भारत के मैदानी क्षेत्र में गंगा-यमुना की उज्ज्वल धारा प्रवाहमान है। इससे भूमि उपजाऊ बनती है। भारत के चरणों को हिंद महासागर पखारता है।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं उत्तर दें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) शत्रु (ख) ज्ञान
   (ग) कक्षा (घ) श्रम
   (ङ) अज्ञान (च) मित्र
2. (क) ऋषि (ख) प्राणों
   (ग) आँखों (घ) उजियारा
   (ङ) चरणों (च) न्यारा
3. (क) जलनिधि – सागर, समुद्र
   (ख) देव – ईश्वर, भगवान
   (ग) शशि – चंद्रमा, राकेश
   (घ) मनुज – मनुष्य, मानव
   (ङ) शत्रु – दुश्मन, रिपु
   (च) दुनिया – विश्व, संसार
4. (क) संज्ञा – भारत, शशि, गंगा, सूर्य
   (ख) विशेषण – बहुत, न्यारा, बंधुहीन, प्यारा

क्रियाकलाप / गतिविधि, सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

2. रूप बड़ा या गुण

मौखिक

1. (क) विक्रमादित्य अपनी वीरता और न्यायप्रियता के कारण विख्यात थे।
   (ख) विक्रम संवत की शुरुआत 58 ईसा पूर्व में हुई
   (ग) कालिदास विक्रमादित्य के दरबार के नवरत्न और संस्कृत के महाकवि थे।
   (घ) विक्रमादित्य कालिदास से मित्रवत व्यवहार करते थे।

   2, 3, 4, 5, 6 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) संस्कृत (ख) सोने की (ग) उज्जैन के
2. (क) राजा विक्रमादित्य और कालिदास के पास मिट्टी की एक-एक सुराही रखी थी।
   (ख) विक्रमादित्य का ध्यान जब गरमी से विकृत कालिदास के चेहरे की ओर गया तो वे चुटकी लेने के लिए मचल उठे।
   (ग) संध्याकाल में कालिदास ने सुनार को रातों-रात शुद्ध सोने की सुंदर सुराही तैयार करने का आदेश दिया।
3. (क) गरमी और पसीने ने कालिदास के चेहरे को और भी विकृत बना दिया था, पर विक्रमादित्य के गोरे चेहरे पर पसीने की बूँदें मोती के समान चमक रही थीं।
   (ख) विक्रमादित्य का कालिदास के प्रति मित्रवत व्यवहार था। दोनों में अकसर नोक-झोंक चला करती थी। दोनों एक-दूसरे को बेवकूफ़ बनाने की ताक में लगे रहते थे। राजा किसी अवसर को खोना नहीं चाहते थे, परंतु महाकवि से करारा उत्तर पाकर भी प्रसन्न रहते थे।
   (ग) कालिदास की कुरूपता पर व्यंग्य करने के कारण महाराजा विक्रमादित्य ने महाकवि कालिदास से क्षमा माँगी।
4. (क) नहीं (ख) हाँ (ग) नहीं (घ) हाँ

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं उत्तर दें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) ठंडा (ख) अवगुण (ग) कुरूप
   (घ) शत्रु (ङ) अशांत (च) अप्रसन्न
2.

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशज
स्वर्ण	दिन	पगड़ी	लबालब
दिवस	सोना	खिड़की	बेवकूफ़
सूर्य	घर	ऑफ़िस	कुली

3. (क) पास – निकट, उत्तीर्ण, स्वीकृत किया गया
   (ख) कल – आराम, मशीन, चैन
   (ग) उत्तर – जवाब, उत्तर दिशा, बाद का
   (घ) तीर – बाण, किनारा, सीसा
   (ङ) जग – संसार, चेतन सृष्टि, लोटे की तरह का एक पात्र

क्रियाकलाप / गतिविधि, सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

3. फ़्लोरेंस नाइटिंगेल

मौखिक

1. (क) नाइटिंगेल का जन्म सन् 1820 में इटली के फ्लोरेंस नगर में हुआ था।
   (ख) फ्लोरेंस के माता-पिता की इच्छा थी कि बच्चों का नाम उनके जन्म स्थान से जुड़ा हो, इसी कारण अपनी पुत्री का नाम उन्होंने फ्लोरेंस रख दिया।
   (ग) युद्ध मंत्री सिडनी हर्बट ने फ्लोरेंस के सामने क्रीमिया जाने का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव फ्लोरेंस के सपनों को साकार होने जैसा था। अतः वह क्रीमिया जाने के लिए तैयार हो गई।

2, 3, 4, 5, 6, 7 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) रोम (ख) अलेग्जैंड्रिया (ग) रूस
2. (क) नर्सें अपने समर्पित सेवाभाव से बीमारों में निराशा दूर कर आशा का संचार करती हैं। इसीलिए उनको प्रेम और सेवा की प्रतिमूर्ति कहा जाता है।
   (ख) 1853 में बीमार महिलाओं के लिए लंदन में एक अस्पताल खोला गया।
   (ग) फ्लोरेंस के माता-पिता का समाज में मान-सम्मान था। यूरोप की अभिजात्य राजवंशीय परंपरा में उनकी पहुँच थी।
3. (क) इटली में नाइटिंगेल के जन्म से पूर्व फ्लोरेंस नाम पुरुषों का ही होता था, लेकिन इस महान नारी के कार्यों के कारण फ्लोरेंस नाम रखना नारियों के लिए गर्व की बात हो गई।

(ख) फ्लोरेंस नाइटिंगेल का हृदय सदैव मानवता की सेवा की भावना में डूबा रहता। दुखी जनों का दुख दूर करने की एक तड़प उनके हृदय में उठती थी।

(ग) अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान फ्लोरेंस रोम गईं। जहाँ वे बौद्ध भिक्षुणियों द्वारा की गई मरीजों की सेवा से अतिशय प्रभावित हुईं।

(घ) 38 नर्सों को साथ लेकर फ्लोरेंस क्रीमिया पहुँचीं। फ्लोरेंस घायल सैनिकों की सेवा में दिन-रात जुटी रहीं। उनके प्रयासों के चलते मृत्यु दर घटती चली गई और यह संख्या मात्र 2 प्रतिशत रह गई। स्वयं फ्लोरेंस ने अपनी सेवा के साथ अपने धन को भी उपयोग में लगाया।

4. (क) सिडनी हर्बट — (*iv*) इंग्लैंड का युद्ध मंत्री
(ख) फ्लोरेंस शहर — (*iii*) नाइटिंगेल का जन्म स्थान
(ग) पादरी का ट्रेनिंग सेंटर — (*ii*) जर्मनी
(घ) लेडी विद द लैंप — (*i*) फ्लोरेंस नाइटिंगेल

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं उत्तर दें।

भाषा और व्याकरण

1.

	शब्द		मूल शब्द	प्रत्यय
(क)	मानवता	–	मानव	ता
(ख)	लड़की	–	लड़का	ई
(ग)	भाग्यशाली	–	भाग्य	शाली
(घ)	प्रसन्नता	–	प्रसन्न	ता
(ङ)	सम्मानित	–	सम्मान	इत
(च)	कुशलता	–	कुशल	ता

2. (क) महिला – पुरुष (ख) महारानी – महाराजा
(ग) माता – पिता (घ) नर – नारी
(ङ) भिक्षुक – भिक्षुणी (च) देव – देवी

3. (क) बालिका – बालिकाएँ
(ख) मूर्ति – मूर्तियाँ
(ग) सामग्री – सामग्रियाँ
(घ) पुत्री – पुत्रियाँ
(ङ) स्त्री – स्त्रियाँ
(च) खिड़की – खिड़कियाँ
(छ) भिक्षुणी – भिक्षुणियाँ
(ज) डॉक्टर – डॉक्टरों

4. (क) आजीवन – जीवनभर
(ख) युद्धग्रस्त – युद्ध से ग्रस्त
(ग) दिन-रात – दिन और रात
(घ) देशभक्ति – देश के लिए भक्ति
(ङ) महारानी – महान है जो रानी

क्रियाकलाप / गतिविधि, सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

4. पोंगल

मौखिक

1. (क) पोंगल पान्नइ (ख) ईख काटकर
(ग) नए कपड़े पहनना
(घ) चावल के आटे से फ़र्श पर बनी आकर्षक आकृतियाँ

2, 3, 4, 5 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) सूर्य देव (ख) तइ तमिल माह
(ग) हलदी और धान

2. (क) कोलम नई फसल के चावल से बनाने हैं, इसलिए पोंगल के त्योहार में कोलम का विशेष महत्व है।
(ख) तमिल में ईख को करुंबु और गंडेरी को करुंबुतुंडम कहते हैं।

3. (क) तमिलनाडु में पोंगल का त्योहार धान की फ़सल घर लाने के बाद खुशी प्रकट करने के लिए मनाया जाता है। पोंगल उत्तरायण के आरंभ का सूचक है।
(ख) पोंगल के पहले तथा बाद वाले दिन का भी पोंगल जितना ही महत्व है। पोंगल के पहले वाले दिन को बोगी कहते हैं। इस दिन लोग अपने-अपने घरों की सफ़ाई करते हैं। पुरानी और बेकार चीज़ों को फेंकते हैं या जला देते हैं। पोंगल के बाद वाला दिन 'माट्टु पोंगल' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन जानवरों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती है, क्योंकि पूरे साल वे ही परिवार की सेवा करते हैं।
(ग) 'माट्टु पोंगल' के दिन गायों के मस्तक पर हलदी-कुमकुम लगाई जाती है। उनके गले में पुष्प-हार डालकर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। उसके पश्चात उन्हें पोंगल खिलाया जाता है। बैलों के सींगों को घिस-घिसकर नोकदार बनाया जाता है। उन पर रंग-रोगन कर उनकी नोकों पर धातु के छल्ले मढ़ दिए जाते हैं।

4. (क) रुपए, (ख) मस्तक, (ग) उग्र, (घ) ढोल, (ङ) उत्तरायण

भाषा और व्याकरण

1. (क) उनके, उनकी, (ख) उसी, (ग) उनके, (घ) मैं

2. (क) चावल के आटे से कुछ आकृतियाँ बनाई जाती हैं, जिन्हें 'कोलम' कहते हैं।
(ख) ईख काट-काटकर गंडेरियाँ बनाई जाती हैं।
(ग) इसके बाद शुरू होती है, बैलगाड़ियों की मनोरंजक दौड़, जिसमें सभी शामिल होते हैं।

3. (क) त्योहार (ख) आकृतियाँ
(ग) प्रत्येक (घ) पशुओं
(ङ) सायंकाल (च) रोमांचक

4. (क) पूर्व – पूरब (ख) रात्रि – रात
(ग) गृह – घर (घ) दिवस – दिन
(ङ) दुग्ध – दूध (च) सूर्य – सूरज

5. तत्सम– ग्राम, दृश्य
तद्भव– गला, फूल
देशज– थैला, झटपट
विदेशज– फ़र्श, सफ़ेदी

क्रियाकलाप / गतिविधि, सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

5. सरकस

मौखिक

1. (क) कवि कौतुहल के वश में होकर सरकस देखने गए।
(ख) सरकस में भय-विस्मय के अनोखे काम होते हैं।
(ग) मैना ने बंदर से आकर कहा– हाज़िर है हुजूर का घोड़ा।

प्रश्न 2, 3, 4, 5 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) बछेरा के ऊपर (ख) सिंह से
2. (क) बंदर ने लैंप जलाकर कुरसी पर बैठकर पुस्तक खोली। बछेरा पर चढ़कर सवारी की।
(ख) कवि के मित्र को सिंह को सियार बना देख उस पर दया आई।
3. (क) सरकस में दिखाए जाने वाले करतब भय-विस्मय से भरे थे। बहु व्यायाम वाले थे। बंदर लैंप जलाकर कुरसी पर बैठ पुस्तक खोलकर पढ़ता, बछेरे की सवारी करता है। एक मनुष्य सिंह से लड़ाई करता है।
(ख) कवि ने मनुष्य के साहस की बड़ाई करते हुए कहा कि कहीं साहसी मनुष्य डरता है! नर यानी मनुष्य नाहर अर्थात सिंह को वश कर लेता है।
(ग) सिंह के स्वच्छंद नहीं रहने का यह परिणाम निकला कि वह सिंह से सियार बन गया। मार-मारकर उसे सरकस के करतब सिखाए गए और उसे पिंजरे में कैद रहना पड़ता है।
4. (क) यह सिंही का जना हुआ है, किंतु सियार यह बना हुआ है।
(ख) कहीं साहसी जन डरता है।
(ग) नर नाहर को वश करता है।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) गया, (ख) आया, (ग) बोली, (घ) सिखाया
2. (क) घोड़ा, (ख) लड़ाई, (ग) बड़ाई, (घ) कोड़ा
(ङ) ढक्कन, (च) चढ़ना
3. (क) सियार– सियारिन, (ख) कवि– कवयित्री,
(ग) बछिया– बाछा, (घ) बंदर– बंदरिया,
(ङ) शेर– शेरनी, (च) नर– नारी
4. (क) बस – बड़ी मोटर गाड़ी, केवल
(ख) आम – एक फल, साधारण
(ग) सोना – बहुमूल्य धातु, नींद लेना
(घ) खाना – भोजन करना, परेशान करना
(ङ) जन – प्रजा, सर्वसाधारण

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

6. तेनालीरामन

मौखिक

1. (क) तेनालीरामन का असली नाम रामन था।
(ख) विद्वानों की सभा में वाद-विवाद हो रहा था।
(ग) राजा कृष्णदेव राय के राजगुरु थट्टाचार्य थे।
(घ) महाराजा कृष्णदेव राय तेनालीरामन से अप्रसन्न हो गए।

प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) कृष्णदेव राय (ख) तेनाली
(ग) तेनालीरामन (घ) तेलुगू
2. (क) तेनालीरामन के गाँववालों का विश्वास था कि रामन एक दिन ज़रूर बड़ा आदमी बनेगा।
(ख) राजदरबार में विदूषक का काम था अपनी बातों और हाजिरजवाबी से राजदरबार में लोगों का मनोरंजन करना था।

(ग) महाराजा कृष्णदेव राय अपनी प्रजा का हाल जानने हेतु राज्य के विभिन्न भागों में जाना चाहते थे।

3. (क) तेनालीरामन शब्दों के जादूगर होने के साथ-साथ शब्दों के विचित्र आशय निकालकर वह लोगों को विस्मृत कर देते थे। इसीलिए सब उनकी बुद्धिमानी की प्रशंसा करते थे।

(ख) एक दिन महाराज कृष्णदेव राय तेनालीरामन की किसी बात से अप्रसन्न हो गए। उन्होंने क्रुद्ध होकर तेनालीरामन से कहा– जाओ, मुझे कभी अपना मुँह मत दिखाना। इसी कारण अगले दिन तेनालीरामन अपने मुँह पर मुखौटा लगाकर दरबार में उपस्थित हुए।

(ग) हाथी के माध्यम से तेनालीरामन राजा को राज्य की निर्धन जनता के बारे में बताना चाहते थे, जिन्हें वास्तव में मदद की आवश्यकता थी।

4. [1] उनके दरबार में बड़े-बड़े विद्वान रहते थे।
[2] सभा में वाद-विवाद हो रहा था।
[3] महाराज ने देखा तो वे बड़े क्रुद्ध हुए।
[4] तेनालीरामन के विषय में अनेक कहानियाँ प्रचलित हैं।
[5] हाथी हमें बिलकुल सही स्थान पर लाया है।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) ने (ख) के लिए (ग) की (घ) से
2. (क) आज्ञा × अवज्ञा (ख) अर्थ × अनर्थ
(ग) असली × नकली (घ) गरीब × अमीर
(ङ) बचपन × बुढ़ापा (च) प्रसन्न × अप्रसन्न
3. (क) निर्धन – जिसके पास धन का अभाव हो
(ख) निर्दोष – जिसका कोई दोष न हो
(ग) निरीक्षक – जो निरीक्षण करता हो
(घ) हँसोड़ – जो हँसाने का काम करता हो
(ङ) कवि – जो कविता लिखता हो
4. (क) तेनाली – लीची, चीनी, नीमक, कमल
(ख) अप्रसन्न – नल, लपक, कलम, मछली

क्रियाकलाप / गतिविधि

प्रश्न 1, 2, 4 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

3. पृथ्वीराज चौहान, छत्रपति शिवाजी, महेंद्र वर्मन, महाराणा प्रताप, चंद्रगुप्त मौर्य, हर्षवर्धन, प्रियदर्शी, अशोक

सृजनात्मक लेखन

❖ छात्र स्वयं करें।

7. खूबसूरत हिमालय

मौखिक

1. (क) इस यात्रा-वृत्तांत के लेखक सोनू निगम हैं।
(ख) लेखक को हिमालय की वादियों में आकर सुकून मिलता है।
(ग) नंदादेवी पर्वत और बागेश्वर शहर को लेखक स्वर्ग मानते हैं।

प्रश्न 2, 3, 4, 5 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) नंदा देवी पर्वत (ख) तिरछे
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 1-2 वाक्य में लिखिए–
(क) हिमालय की वादियों में जाना और पहाड़ों से बातें करना, उन्हें महसूस करना, इन सबसे लेखक को मन की शांति मिलती है।
(ख) पाठ में सुनहरी यादों के रूप में नंदादेवी पर्वत और बागेश्वर शहर की चर्चा है।
3. (क) नंदा देवी हिमशिखर के पहाड़ काफी तिरछे हैं। यहाँ से दिखने वाले ग्लेशियर इतने खूबसूरत हैं कि लोग बस उन्हीं के होकर रह जाते हैं। छोटी-छोटी नदियाँ और झरने आपको मुश्किलों में भी जीतने का संदेश देते नज़र आते हैं। यहाँ औली, बिनसार ओर कौसानी जैसे पर्यटन स्थल भी हैं। नंदादेवी पर्वत को हिमालय की पुत्री कहा जाता है। यहाँ एक राष्ट्रीय पार्क है।
(ख) नंदादेवी की वादियों में एक राष्ट्रीय पार्क है, जहाँ भालू, लंगूर, तेंदुआ, जंगली बिल्ली और हिरण मिलते हैं। यहाँ ऑरेंज़-फ्लैंक्ड बुश रॉबिन, ब्लू फ्रांटेड रेड स्टार्ट समेत सैकड़ों खूबसूरत पक्षी रहते हैं।
4. [1] मेरा जवाब होता है– हिमालय की वादियों में।
[2] मेरे लिए वह जगह स्वर्ग है।
[3] ये करीब दस-पंद्रह साल पुरानी बात होगी।
[4] दोस्तों ने मुझे हिमालय की ओर जाने को कहा।
[5] यह जड़ी बूटियों का भी क्षेत्र है।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) शांति × अशांति (ख) पीछे × आगे
   (ग) आज × कल (घ) स्वर्ग × नरक
   (ङ) जीवन × मरण (च) बड़ा × छोटा
2. (क) करीब – समीप, नज़दीक
   (ख) दोस्त – मित्र, सखा
   (ग) पहाड़ – पर्वत, गिरि
   (घ) पक्षी – खग, चिड़िया
   (ङ) नदी – सरिता, तटिनी
3. (क) पवत– पर्वत, (ख) इंडस्टी– इंडस्ट्री,
   (ग) पकति– प्रकृति, (घ) टैकिंग– ट्रैकिंग,
   (ङ) पाक– पार्क, (च) राष्टीय– राष्ट्रीय
4. (क) नए वर्ष पर वृक्षारोपण करना अमेरिकी बच्चों का शौक बन गया है। दो दशक पूर्व प्रारंभ हुई।
   (ख) फूलों के पौधों को रोपण करने की प्रथा अमेरिका में लगभग दो दशक पूर्व प्रारंभ हुई।
   (ग) एक दिन सेंटा स्कूल के एक बच्चे ने अपने अध्यापक से कहा, ''सर, मैं चाहता हूँ कि हमारे देश में इतने फूल लगें कि दुनिया के तमाम देश हमारे ही देश की चर्चा करें।''
   (घ) क्यारी – क्यारियाँ, फूल – फूलों

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

8. कबड्डी

मौखिक

1. (क) अमरेश को किसी गाँव में जाने और रहने का अवसर कभी नहीं मिला था।
   (ख) कबड्डी में केवल नरम मिट्टी वाले छोटे मैदान और चुस्त तथा फुर्तीले शरीर की ज़रूरत होती है। इसमें न बैट की, न गेंद की; न रैकेट की और न शटल की ज़रूरत होती है।
   (ग) लकीर को छूने से पहले ही साँस भरने वाले खिलाड़ी को विरोधी टीम के खिलाड़ी पकड़ लेते हैं और उसकी साँस टूट जाती है, तो वह खिलाड़ी मरा हुआ घोषित हो जाता है।

   प्रश्न 2, 3, 4, 5 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) कबड्डी (ख) दो टीमें (ग) सीधे-सादे
2. (क) दूसरे पाले वाले खिलाड़ी साँस भरने वाले खिलाड़ी को दबोचने की ताक में थे।
   (ख) जब एक ओर के सब खिलाड़ी मर गए तो वह टीम हार गई और दूसरी टीम जीत गई। एक पारी समाप्त हुई।
3. (क) चारों ओर खुले-हरियाले खेत, शुद्ध हवा, कोई भीड़-भड़क्का नहीं और गाँव के सीधे-सादे किसान के रूप में गाँव के वातावरण का वर्णन हुआ है।
   (ख) अमरेश को कबड्डी का खेल मज़ेदार लगा क्योंकि इसमें न बैट की ज़रूरत थी, न गेंद की; न रैकेट की और न शटल की। इसमें चाहिए था केवल नरम मिट्टी वाला छोटा मैदान और चुस्त और फुर्तीला शरीर।
   (ग) सब दुबले-पतले सींखची पहलवान की तारीफ़ करने लगे, क्योंकि उसने एक तगड़े विरोधी को सिर पर छू लिया और पलक झपकते ही अपने पाले में भी सुरक्षित पहुँच गया।
4. (क) ननिहाल, (ख) फुर्तीले, (ग) लकीर, (घ) पाले, (ङ) उत्सुकता

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) खिड़ीला – खिलाड़ी
   (ख) थास्न – स्थान
   (ग) रीशर – शरीर
   (घ) दामैन – मैदान
   (ङ) हसाउत – उत्साह
   (च) लोंफ – फलों
2. (क) वहाँ कई दर्शक जमा हो चुके थे।
   (ख) मैदान में आमने-सामने दो टीमें थीं।
   (ग) इस प्रकार खेल चलता रहा।
   (घ) वह पाले से बाहर बैठ गया।
3. (क) गाँव-गाँव (ख) सास-साँस (ग) मनोरजन-मनोरंजन
   (घ) पहुच-पहुँच (ङ) गुथ-गुँथ (च) पैतरा-पैंतरा
4. (क) ताक में होना– अवसर की प्रतीक्षा, घात लगाना– विरोधी टीम वाले साँस भरने वाले खिलाड़ी को दबोचने की ताक में थे।
   (ख) पैंतरे बदलना– पहले वाली मुद्रा से दूसरी ओर उपयुक्त मुद्रा में आना तैमूरलंग ने पैंतरा बदलकर बालक बलकरन से तलवार छीन ली।
   (ग) गुँथ जाना– आपस में उलझना दोनों ही टीमों के कबड्डी खिलाड़ी मौका लगते ही विरोधी खिलाड़ी को दबोचने के लिए उससे गुँथ जाते।

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

9. समय

मौखिक

1. (क) समय (ख) समय सदा चलता रहता है।
   (ग) समय को कोई खरीद नहीं सकता है।
   प्रश्न 2, 3, 4, 5 छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) समय (ख) शैलेश कुमार चौधरी
   (ग) मूल्यवान समय
2. (क) कँटीली और फिसलने वाली जगह पर, आसमान, उपवन या वन में भी समय चक्र निष्पंद नहीं पड़ता है।
   (ख) जिसे समय का ज्ञान हो चुका है, समय उसका दिवाना है।
3. (क) समय अनमोल है। व्यर्थ में समय गँवाने वाले व्यक्ति को आजीवन पछताना पड़ता है। इसके विपरीत समय का सदुपयोग करने वाला व्यक्ति निरंतर आगे की ओर गतिशील रहता है। समय कभी नहीं थकता और रुकता है। अतएव समय की तरह जीवन के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना चाहिए।
   (ख) समय की तरह जो निरंतर गतिशील रहता है, समय को व्यर्थ नहीं गँवाता है, दुनिया में उसका डंका बजता है।
4. मार्ग कितना भी लंबा क्यों न हो; काँटों वाला या फिसलनभरा मार्ग क्यों न हो; समय निरंतर आगे की दिशा में गतिशील रहता है और कभी थकता या रुकता नहीं है।
5. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–
   नभ, उपवन हो या अरण्य,
   समय चक्र नहीं पड़ा निष्पंद।
   स्वभति से बढ़ता जाता है,
   कभी न थकता रुकता है।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) राह – चाह, डाह
   (ख) बढ़ता – चढ़ता, पढ़ता
   (ग) थकता – चकता, झुकता, रुकता
   (घ) डंका – लंका, शंका
2. (क) चक्र – कुचक्र, चक्रधर
   (ख) राह – राही, सरेराह
   (ग) वन – वनहीन, वनमानुष
3. (क) बढ़ता (ख) सड़क
   (ग) लड़का (घ) पढ़ाई
4. (क) चलता है (ख) जाता है
   (ग) रोक पाया है (घ) बजता है

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

10. अपना प्यारा घर

मौखिक

1. (क) अचानक टैंकों का आगे बढ़ना रुक गया, क्योंकि जर्मन सेना ने पुल को बारूदी सुरंगें बिछाकर ध्वस्त कर दिया था, जिसके ऊपर से सोवियत टैंक ब्रिगेड को नदी पार करके आगे जाना था।
   (ख) युद्ध जर्मनी और सोवियत रूस के बीच हो रहा था।
   (ग) जर्मनी की सेना सोवियत रूस की सेना से एक लंबे अर्से तक जूझती-जूझती थक चुकी थी।
   (घ) मास्को की रक्षा करने के पश्चात अब सोवियत सैनिकों ने शत्रुओं पर हमले शुरू कर दिए थे।
   प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) अलक्सांद्रा ग्रिगोरी एवना
   (ख) द्वितीय विश्व युद्ध
   (ग) कातूकोव
2. (क) सोवियत सैनिक देख रहे थे कि जर्मन सेना उनकी पहुँच से दूर और दूर होती जा रही थी।
   (ख) एक टैंक-चालक ने जनरल कातूकोव को सुझाव दिया कि टैंकों से नदी पार कर ली जाय।
   (ग) नदी के खड़े किनारों को देख जनरल सोच में पड़ गए क्योंकि कोई भी टैंक नदी के खड़े किनारों पर नहीं चढ़ सकता था।
3. (क) सोवियत टैंक चालकों ने अपने टैंकों के इंजन बंद कर दिए, क्योंकि जर्मन सेना टैंकों की हद से दूर हो चुकी थी।
   (ख) इस समय तो हमें किसी भी कीमत पर राष्ट्र की रक्षा करनी है। देश रहेगा तो घर फिर बन जाएगा, लेकिन देश नहीं रहने पर यह घर उजड़ जाएगा।

4.

किसने	किससे
(क) अलेक्सांद्रा ग्रिगोरी एवना ने	सोवियत रूस के टैंक चालक से
(ख) सोवियत रूस के टैंक-चालकों ने	अलेक्सांद्रा ग्रिगोरी एवना से
(ग) प्योत्र ईवानोविच कुज्नेत्सोव ने	अपनी माँ और टैंक-चालक से

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) तेज़ी – तीव्रता (ख) मम्मी – माँ, माता
   (ग) मकान – गृह (घ) ज़रूरी – आवश्यक
   (ङ) तरफ़ – ओर (च) नज़र – दृष्टि
2. (क) आगे बढ़ रहा था, (ख) रूक गए, (ग) देखा, (घ) बन जाएगा
3. (क) भूतकाल, (ख) वर्तमानकाल, (ग) भविष्यत काल

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

11. शिवाजी का क्षमादान

मौखिक

1. (क) तानाजी शिवाजी के सेनानायक थे।
   (ख) शिवाजी की हत्या करने से मालवजी को तानाजी ने रोका।
   (ग) दूसरा दृश्य दोपहर के समय शिवाजी के दुर्ग के कमरे का है।
   (घ) मालवजी के प्रति बनावटी रोष शिवाजी ने दिखाया।
   प्रश्न 2, 3, 4, 5 छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) शिवाजी पर (ख) शिवाजी की सेना
   (ग) तानाजी का (घ) मालवजी
2. (क) मृत्युदंड पाने से पहले मालवजी ने अपनी पूजनीया माता के अंतिम बार दर्शन करने की अनुमति माँगी।
   (ख) शिवाजी को मालवजी से बात करके लगा कि यह बालक वीर और साहसी है।
   (ग) मालवजी ने प्रतिज्ञा की कि जब तक शरीर में प्राण हैं, मैं कभी मातृभूमि की सेवा से पीछे नहीं हटूँगा।
3. (क) मालवजी के पिता शिवाजी की सेना में सिपाही थे। मुगलों से लड़ते समय उन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनकी मृत्यु के कारण परिवार पर संकट आ गया। तीन माह से मालवजी और उसकी माँ को पेटभर अनाज मिलना दूभर हो गया। एक दिन क्षुधा पीड़ित मालवजी को एक यवन ने आकर कहा कि यदि शिवाजी की हत्या कर दो, तो मैं तुम्हें बहुत इनाम दूँगा। लालच में पड़कर मालवजी शिवाजी की हत्या करने आ गया।
   (ख) शिवाजी ने अपने सेनानायक तानाजी का आभार माना, क्योंकि तानाजी ने शिवाजी की हत्या करने आए मालवजी से उनकी जान बचाई थी।
   (ग) जिस प्रकार मालवजी अपनी माता के दुख से दुखी होकर व्याकुल था, उसी प्रकार शिवाजी भारतमाता के परतंत्र होने से दुखी थे। मालवजी अपनी माता को सुखी देखना चाहते थे, वहीं शिवाजी भारतमाता को विदेशी शासन से मुक्त करना चाहते थे। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि दोनों का दुख समान था।
4.

किसने	किससे
(क) शिवाजी ने	मालवजी से
(ख) मालवजी ने	शिवाजी से
(ग) तानाजी ने	शिवाजी से
(घ) शिवाजी न	तानाजी से

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) क्ष – कक्षा, क्षमा
   (ख) त्र – पत्र, सत्र
   (ग) ज्ञ – ज्ञान, ज्ञानी
   (घ) श्र – श्रम, श्रमिक
2. (क) कठिन – कठिनता / कठिनाई
   (ख) उज्ज्वल – उज्ज्वलता
   (ग) कायर – कायरता
   (घ) वीर – वीरता
   (ङ) भूखा – भूख
   (च) घर – घरेलू

3. (क) देखते (ख) बोलोगे (ग) माँगता
(घ) पहुँचा (ङ) गए

4. (क) कक्ष – कमरा, श्रेणी
(ख) फल – खाने वाला फल, परिणाम
(ग) अंतर – भीतर, फर्क
(घ) पास – उत्तीर्ण, समीप
(ङ) तप – तपस्या, अग्नि
(च) अंक – संख्या, गोद

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

12. पर्यावरण प्रदूषण

मौखिक

1. (क) पृथ्वी पर जीवन प्राकृतिक संतुलन से ही संभव है।
(ख) वायु प्रदूषण के कारण हमें ऑक्सीजन पूरी मात्रा में नहीं मिल पाता।
(ग) प्रदूषित जल के लगातार सेवन से हृदय, गुर्दे, हड्डी, दाँत, फेफड़े तथा रक्त संबंधी कई रोग जन्म लेते हैं।
(घ) वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या एक अरब तीस करोड़ है।

प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) 20.95 प्रतिशत (ख) पत्तियों से
(ग) डेसीबल इकाई में (घ) आँतों में

2. (क) पर्यावरणविद सुंदरलाल बहुगुणा द्वारा प्रारंभ किया गया चिपको आंदोलन पेड़ों को काटने से बचाने के आंदोलन से जुड़ा है।
(ख) बड़े-बड़े कल-कारखाने सीमा से अधिक धुआँ उगलकर वातावरण को प्रदूषित कर रहे हैं।

3. (क) स्वच्छता के माप पर शुद्ध वायु में 78.09 प्रतिशत नाइट्रोजन, 20.95 प्रतिशत ऑक्सीजन, 0.03 प्रतिशत कार्बन डाइ-ऑक्साइड तथा 0.93 प्रतिशत अन्य गैसें हैं।
(ख) हम सभी प्राणी श्वास के रूप में वायुमंडल से ऑक्सीजन ग्रहण करते हैं और कार्बन डाइ-ऑक्साइड बाहर निकालते हैं। साँस लेने की यह प्रक्रिया अनवरत चलती रहती है।
(ग) मिट्टी में भिन्न-भिन्न प्रकार के लवण, खनिज तत्व, कार्बनिक पदार्थ, गैसें और जल एक निर्धारित अनुपात में होते हैं। जब इस अनुपात में बदलाव आता है, तो इससे भूमि प्रदूषित हो जाती है।

4. (क) साँस, (ख) धुआँ, (ग) वर्षा, (घ) निमंत्रण, (ङ) वृक्षारोपण

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) प्रकृति – प्र कृति
(ख) उपयोग – उप योग
(ग) अतिरिक्त – अति रिक्त
(घ) विभिन्न – वि भिन्न
(ङ) संपूर्ण – सम् पूर्ण
(च) उत्पन्न – उत् पन्न

2. (क) यह समस्या केवल भारत की ही नहीं, अपितु विश्वभर की समस्या है।
(ख) साँस रोकने पर आप बेचैनी का अनुभव क्यों करते हैं?
(ग) पत्तियों के इन छोटे-छोटे रंध्रों से वायु भीतर जाती है।
(घ) भूमि, नदी, पशु-पक्षी तथा खनिज संपदा भी पर्यावरण के अंग हैं।
(ङ) बड़े-बड़े कल-कारखाने हद से ज़्यादा धुआँ उगल रहे हैं।

3. (क) जिससे, (ख) और, (ग) तो, (घ) कि, (ङ) क्योंकि

4. (क) ज्वलंत – देदीप्यमान
(ख) प्रदूषित – अपवित्र
(ग) अतिशोषण – अत्यधिक शोषण
(घ) असंतुलन – असमानता
(ङ) निरंतर – लगातार, अनवरत

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

13. चेतक

मौखिक

1. (क) लड़ाई के मैदान में चेतक बेधड़क चौकड़ी भर रहा था, इसलिए उसे निराला कहा गया है।
(ख) शत्रु पक्ष के ऊपर बहते नद-सा चेतक लहरता है।

प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) चेतक (ख) चेतक को
2. (क) हवा का पाला महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक से पड़ गया।
   (ख) महाराणा प्रताप का कोड़ा अपने अश्व चेतक पर कभी नहीं गिरता था।
3. (क) चेतक स्वामिभक्त, देशभक्त और साहसी था। वह हवा से भी तेज़ गति से दौड़ता था। अपनी तेज़ गति के कारण चेतक संपूर्ण युद्ध क्षेत्र में मौजूद रहता था। वह विकराल वज्रमय बादल-सा शत्रु की सेना पर आकर गिर जाता था।
   (ख) चेतक अश्व होते हुए भी विलक्षण था। सामान्य पशु-अश्व या हाथी उसका मुकाबला नहीं कर सकते थे। वह शत्रु सेना के ऊपर से होते हुए ऊँची छलाँग लगा सकता था। शत्रुओं के मस्तक पर दौड़ने के कारण उसे कवि श्याम नारायण पांडेय ने आसमान का घोड़ा कहा है।
   (ग) चेतक हवा से भी तेज़ गति से युद्ध क्षेत्र में शत्रु पक्ष की सेना में खलबली मचा देता था। वह बहती नदी के समान शत्रु सेना के ऊपर गिर पड़ता था। शत्रु सैनिकों का भाला, तरकश, तूणीर गिर जाते थे। शत्रु सैनिकों के शरीर को वह अपनी टापों से रौंद डालता था।
   (घ) वैरी समाज चेतक की तेज़ गति, युद्ध क्षेत्र में हर स्थान पर चेतक की उपस्थिति, उसके कारण शत्रु पक्ष के सैनिकों का भाला, तरकश, तूणीर गिरने और अश्व के टापों से सैनिकों का शरीर रौंदे जाने को देखकर दंग रह गया।
4. चेतक बहती नदी की तरह युद्ध क्षेत्र में दौड़ पड़ा। वह वापस जाते-जाते फिर रुक गया। चेतक का विशालकाय और कठोर शरीर बादल के समान शत्रु पक्ष की सेना पर छा गया।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) घोड़े – मोड़े (ख) हवा – रवा
   (ग) तन – मन (घ) कोड़ा – मोड़ा
   (ङ) ठहर – कहर (च) अंग – भंग
2. (क) घोड़ा – अश्व, हय
   (ख) आसमान – नभ, आकाश
   (ग) हवा – वायु, पवन
   (घ) अरि – शत्रु, दुश्मन
   (ङ) नद – नदी, सरिता
   (च) बाग – लगाम, रास
3. (क) हार – पराजय, माला
   (ख) अरि – वैरी, वायु
   (ग) पानी – जल, मान-प्रतिष्ठा की भावना
   (घ) डाल – टहनी, डलिया
4. (क) प्रताप (ख) सवार
   (ग) वज्रमय (घ) विकराल

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

14. दो माताएँ

मौखिक

1. (क) गाँव के लोग सोने की मोहर के बदले हाथी को विदेशी सौदागर को बेचते थे। इसलिए हाथी मनुष्य को कसूरवार मानने लगे। इस प्रकार दोनों एक-दूसरे को अपना शत्रु मानने लगे।
   (ख) हथिनी चिंघाड़ती हुई बाघ के पीछे दौड़ी।
   (ग) बाघ के जबड़े से मुखिया के बच्चे को हथिनी ने छुड़ाया।
   (घ) बच्चे के शरीर पर कंबल लिपटे होने की वजह से उसे कोई खरोंच तक नहीं आई।

   प्रश्न 2, 3, 4, 5 छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) बाघ से (ख) मोहर
   (ग) असम (घ) लखिया रे
2. (क) क्योंकि बाघ अँधेरे में चुपचाप, जंगली झाड़ियों के मध्य लुक-छिपकर आते थे।
   (ख) गाँववालों की अनुपस्थिति में एक बाघ गाँव आकर मुखिया के पाँच माह के बच्चे को कपड़े समेत उठा ले गया।
3. (क) विदेशी सौदागर हाथी पकड़ने हेतु ज़मीन में मिट्टी खोदकर गड्ढा बनाते थे और उसे घास-फूस से ढक देते थे। हाथियों को पता नहीं चलता था। उस गड्ढे के ऊपर पैर रखते ही हाथी उस गड्ढे में जा गिरते थे। सौदागर लोग आकर उन्हें गड्ढे से निकालकर ले जाते थे।
   (ख) एक गड्ढे में हथिनी का बच्चा गिर गया था। इसीजिए हथिनी गड्ढे के चारों ओर चक्कर लगा रही थी।
   (ग) हथिनी का बच्चा अपनी माँ हथिनी से चिपका खड़ा था। माँ हथिनी अपनी सूँड बच्चे के

शरीर पर फेरकर उस पर प्यार लुटा रही थी। उसी जगह मुखिया की पत्नी भी अपने बच्चे को सीने से लगाए बैठी थी। यह दृश्य देखकर लोग अवाक रह गए।

(घ) असम के एक छोटे-से गाँव हतिया में मनुष्य की शत्रुता केवल बाघ से थी, जो गाँव में चुपचाप घुस आते थे। उस समय हाथियों का यहाँ ठिकाना था। मनुष्य और हाथी दोनों मिल-जुलकर रहते थे। कालांतर में विदेशी सौदागर यहाँ आकर मोहर देकर हाथी खरीदकर ले जाने लगे। अब बाघ और जंगली हाथी दोनों से गाँव वालों की शत्रुता हो गई। एक दिन एक बाघ मुखिया के पाँच माह के बच्चे को कपड़े समेत उठा ले गया। मुखिया की पत्नी बाघ के पीछे दौड़ी और बाघ जंगल की ओर भाग गया। उसी रास्ते पर एक हथिनी का बच्चा सौदागर द्वारा खोदे गए गड्ढे में गिर गया था। माँ हथिनी छाया की तरह गड्ढे के चारों ओर चक्कर लगा रही थी। तभी माँ हथिनी ने बाघ को देखा। तीव्र गति से चिंघाड़ती हुई हथिनी बाघ के पीछे दौड़ी। बाघ के पंजे से छुड़ाकर बच्चे को सूँड में लपेटकर मुखिया की औरत को लाकर दे दिया। मुखिया की औरत ने भी गड्ढे में उतरकर हथिनी के बच्चे को बाहर निकाला। भोर होने पर गाँव के लोग हाथ के औजार और रस्सी लेकर जंगल आए और मुखिया की पत्नी और बच्चे के पास हथिनी और उसके बच्चे को खड़े देखकर अवाक रह गए। अब जंगल के देवता हाथी की पूजा की जाने लगी। सभी गड्ढों को भर दिया गया और सौदागरों को सदा के लिए गाँव से भगा दिया गया।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1.

पुनरुक्त शब्द-युग्म	मिलते-जुलत अर्थ वाले शब्द-युग्म	विपरीतार्थक शब्द-युग्म
पीछे–पीछे	घास–फूस	आदमी–औरत
किनारे–किनारे	चीखता–चिल्लाता	हार–जीत
रोते–रोते	सोच–विचार	इधर–उधर
कभी–कभी	डरा–सहमा	न्याय–अन्याय

2. (क) ग्रामीण/गाँववासी (ख) विदेशी
(ग) शिकारी (घ) अनभिज्ञ

3. (क) मोहर – मुद्रा, अंगूठी
(ख) पूर्व – एक दिशा (पूरब), पुराना
(ग) पास – उत्तीर्ण, समीप
(घ) तीर – बाण, तट

4. (क) कँटीली – झाड़ियाँ, डाली
(ख) अनजान – लोग, स्थान
(ग) पाँच – रुपये, नदी
(घ) विदेशी – सौदागर, सामान
(ङ) घना – जंगल, कोहरा
(च) सुंदर – स्त्री, आभूषण

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

15. रंग बोलते हैं

मौखिक

1. (क) लाल रंग (ख) केसरिया रंग
(ग) हरा रंग
(घ) सफ़ेद रंग स्वच्छता और सादगी का प्रतीक माना जाता है।

प्रश्न 2, 3 छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) लाल रंग (ख) पीले रंग का
(ग) संदेश (घ) शुभ का

2. (क) लाल-पीला होना अर्थात भयंकर गुस्सा करना।
(ख) ईसाई समाज में महिलाएँ विवाह के शुभ अवसर पर सफ़ेद वस्त्र धारण करती हैं।
(ग) पीलिया बीमारी में रोगी का चेहरा पीला हो जाता है।

3. (क) सड़क पर चलते समय किसी चौक पर जलती लाल बत्ती खतरे का संकेत करती है। रेल की पटरियों पर दौड़ती रेलगाड़ियों के लिए लाल रंग खतरे का सूचक माना जाता है। यदि किसी वाहन में ऐसा सामान लदा हो, जो वाहन से बाहर निकल रहा हो, तो वहाँ भी दिन में लाल झंडी और रात को लाल बत्ती द्वारा इसकी सूचना दी जाती है।
(ख) घर के मुख्य द्वार पर काले रंग का प्रयोग बुरी चीज़ के प्रभाव से बचने का सूचक है।
(ग) पीला रंग शुभ और अशुभ दोनों का सूचक है। वसंतोत्सव पर चारों ओर पीले रंग का साम्राज्य

फैल जाता है। खेतों में सरसों और सूरजमुखी के पीले फूल, बागों में गेंदे के पीले फूल, गलियों में पीले वस्त्र पहने लोग, आकाश में पीली पतंगें, घरों में पीले चावल– कहने का आशय, चारों ओर पीला-ही-पीला। वहीं दूसरी ओर पीला रंग अशुभ भी है। यदि किसी व्यक्ति के चेहरे की रौनक चली जाय या कोई बेहद डर जाय, तो कहा जाता है– उसका रंग पीला पड़ गया। पहले हैजे की महामारी फैलने पर, घरों की छतों पर पीली झंडियाँ लहराई जाती थीं। पीला रंग अशुभ पीलिया बीमारी का सूचक है।

4. (क) हरा रंग धरती की हरियाली और उससे उपजी खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे में सुशोभित हरे रंग का भी यही अर्थ है। प्राचीनकाल से ही खुशहाल व्यक्ति के जीवन को हरा-भरा कहकर उसकी संपन्नता को समाज अपनी पुष्टि प्रदान करता रहा है।

(ख) किसी व्यक्ति के बुरे कर्म दर्शाने के लिए 'काला रंग' बुराई का पर्याय बन गया है। वह तो काला धंधा करता है। अरे! उसकी तो काली कमाई है। स्विटजरलैंड सहित कई देशों के बैंकों में भारत का काला धन जमा है। नोटबंदी से देश का बहुत-सा काला धन बाहर से आया।

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) छोटा बालक (ख) लाल साड़ी
(ग) नव विवाहिता (घ) ऊँची मीनार
(ङ) बुरी चीज़ (च) पीली झंडियाँ
(छ) काला टीका (ज) काली हाँडी

2. (क) प्रयोग (ख) गृह / आवास
(ग) आमदनी (घ) मुँह

3. (क) रंग उड़ जाना (*ii*) डर जाना, बेचैन होना
(ख) रंग में भंग पड़ना (*iii*) अनावश्यक व्यवधान पड़ना
(ग) रंग पीला पड़ना (*iv*) चेहरे की रौनक समाप्त होना
(घ) रंग में रँगना (*v*) स्थिति के अनुकूल होना
(ङ) लाल-पीला होना (*i*) बहुत गुस्सा होना

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

16. चंद्रशेखर वेंकट रमन

मौखिक

1. (क) सी०वी० रमन का जन्म दक्षिण भारत में त्रिचनापल्ली नगर में 7 नवंबर, 1888 में हुआ था।
(ख) उनके पिता का नाम चंद्रशेखर अय्यर था।
(ग) 1930 में
प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 छात्र स्वयं करें।

लिखित

1. (क) विज्ञान से (ख) भौतिक विज्ञान
(ग) 13 वर्ष

2. (क) छात्र रमन का शरीर बहुत दुबला-पतला था।
(ख) उच्च शिक्षा समाप्त कर लेने पर आगे अध्ययन का कोई मार्ग न रहने पर रमन को विवश होकर आय-व्यय विभाग में अधिकारी पद पर कार्य करना पड़ा।
(ग) रमन की आरंभ से ही विज्ञान विशेषकर भौतिक विज्ञान में रुचि थी।

3. (क) एम.एस.सी. की परीक्षा में रमन मद्रास विश्वविद्यालय में प्रथम आए। इस कारण उन्हें सरकारी छात्रवृत्ति देकर विदेश भेजने की व्यवस्था हुई। किंतु अस्वस्थता के कारण डॉक्टर ने उन्हें विदेश जाने की स्वीकृति नहीं दी।
(ख) जब एक रंगीन प्रकाश की किरण किसी पारदर्शक पदार्थ में से गुजरती है तब उस किरण का कुछ भाग रास्ते में फैल जाता है। इस कारण यह दूसरा रंग प्रारंभिक रंग से भिन्न होता है। इसे 'रमन प्रभाव' कहते हैं।
(ग) एम.एस.सी. में पढ़ते समय एक सहपाठी ने भौतिक विज्ञान की एक समस्या अपने अध्यापक के सम्मुख रखी, जिसका हल वे न बता सके। रमन ने उसकी पूर्ण व्याख्या कर दी और उस पर एक मौलिक निबंध लिखा, जो विदेश के एक पत्र में प्रकाशित हुआ। इस सफलता से उन्होंने भौतिक विज्ञान में अपना लोहा मनवाया।

4. (क) तीक्ष्ण (ख) अवकाश
(ग) यशस्वी (घ) प्रारंभिक

मूल्यपरक प्रश्न का उत्तर

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) वैज्ञानिक (ख) छात्रवृत्ति (ग) यशस्वी
   (घ) प्रतिभावान (ङ) तीक्ष्ण

2.

शब्द	लिंग	वचन
(क) पिता	पुल्लिंग	एकवचन
(ख) किरणें	स्त्रीलिंग	बहुवचन
(ग) खोज	स्त्रीलिंग	एकवचन
(घ) प्रार्थना	स्त्रीलिंग	एकवचन
(ङ) शिक्षकों	पुल्लिंग	बहुवचन

3. (क) ऊँचा, भारतीयों (ख) उपयुक्त
   (ग) भारतीय, हेय (घ) अधिक
   (ङ) पहले

4. (क) वि – वियोग, विशेष
   (ख) प्र – प्रयत्न, प्रचार
   (ग) अ – अजर, अचल
   (घ) अव – अवनति, अवगुण

5. (क) अपना (*i*) पराया
   (ख) प्रिय (*iv*) अप्रिय
   (ग) सफलता (*ii*) असफलता
   (घ) आय (*iii*) व्यय
   (ङ) जन्म (*i*) मरण

क्रिया-कलाप/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।